Daily Gospel Reflections in Hindi

19 August 2019

लूकस 18 : 25- 30

Eternal life for those who renounce everything

त्याग हर सफलता का मूलमंत्र है। प्रभु कहते हैं कि जितना हम इस संसार में प्रभु के लिए त्याग करते है, प्रभु उसे दोगुना–तिगुना वरदान देता है। जिस के पास सब कुछ होता है वह प्रभु से कुछ पाने की आश नही करता। पुराने विधान में हम अय्यूब के बारे में पढ़ते हैं कि उस ने प्रभु की इच्छा के लिए हर कष्ट को स्वीकार किया और ईष्वर ने उसे हर चीज दोगुना लौटाया।

यह नही कि प्रभु हमें दुख, संकट या अभाव में देखना चाहते या उन्हें इस से खुशी मिलती है बल्कि हमें इस सच्चाई को समझाना चाहते कि इस संसार की खुशियों के पीछे दौड़ कर हम वास्तविक आनंद को भूल जाते हैं। संपत्ति होना, धनी होना या संसार के सुख का भोग करना पाप नही लेकिन इन्हे ही जीवन का लक्ष्य बना लेना और इस संपत्ति के अर्जन करने के लिए दूसरों पर अत्याचार करना उन्हें तुच्छ समझना और उनका अपने लाभ के लिए प्रयोग करना ईश्वरीय प्रेम के विरुद्ध है। हम त्याग को प्रेम से चुने और प्रभु ईश्वरीय अनुग्रह के पात्र बनें।

Rev. Fr. Anil Francis

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019